NIOS/Acad./2020/332/08/H

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम- चित्रकला
पाठ-8 राजस्थानी चित्रकला शैली
कार्यपत्रक-8

1. १७वीं शताब्दी में राजस्थानी चित्रकला शैली परिपक्व हुई यह आप कैसे समझते हैं?

2. राजस्थानी चित्रों के विषय पौराणिक या महाकाव्य होते हैं। इनके अतिरिक्त और कौन से विषय इनमें प्रयुक्त हुए हैं तथा उनमें से किसी एक का वर्णन करें।

3. राजस्थानीशैली में वास्तु, बनावट और मानव आकार की शैलीगत भिन्नता है, क्या आप इससे सहमत हैं? व्याख्या करें।

4. ऐसा क्यों कहा जाता है कि मारु रागिनी के चित्र में तीन वृक्षों के शैलीगत अभिप्रायों के प्रयोग से रचना में एकता का समावेश हुआ है।

5. कला के क्षेत्र में पारंपरिक किशनगढ़ तथा मुग़ल शैलियों के मध्य दो अंतर लिखें।

6. 'भरत मिलाप' चित्र की शैली की पहचान करें। रचना के अंतर्गत पात्रों के बीच संतुलन और सामंजस्य कैसे क़ायम रह पाया?

7. ' बनी ठनी की मुस्कान के तुलना बहुधा मोनलीसा की मुस्कान से की जाती है,' क्या आप इससे सहमत हैं तथा क्यों?

8. बनी ठनी चित्र के सौंदर्य का अपने शब्दों में वर्णन करें।

9. 'भरत मिलाप' में परिदृश्य की शांति और सरलता चित्र के भाव को मुखरित करती हैयह आप कैसे समझते हैं?

10. पारंपरिक किशनगढ़ शैलीकी पहचान आंखों, नाक और वेशभूषा के रेखांकन की शैली से होती है। क्या आप इसकी किसी अन्य पहचान के विषय में जानते हैं?